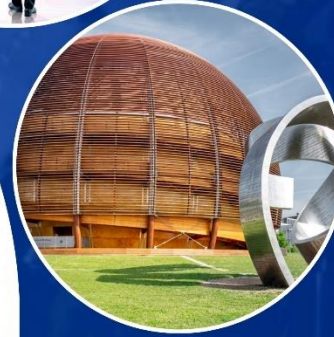


RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



DATE
सितम्बर
30
2024

- Key Point**
1. National News
 2. International News
 3. Govt. Mission, Apps
 4. Awards & Honours
 5. Sports News
 6. Economic News
 7. Newly Appointment
 8. Defence News
 9. Important Days
 10. Technology News
 11. Obituary News
 12. Books & Authors
 13. Index



By Ankit Avasthi Sir

भारत और उज्बेकिस्तान ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए

हाल ही में भारत और उज्बेकिस्तान ने द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) पर हस्ताक्षर किए। द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) से दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में नई मजबूती आएगी। यह संधि निवेशकों के लिए एक अधिक सुरक्षित और लचीला निवेश वातावरण प्रदान करेगी, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और निवेश में आसानी होगी।

BIT (Bilateral Investment Treaty) के बारे में:

- ✓ BIT एक समझौता है जो दो देशों के बीच होता है और एक देश के नागरिकों और कंपनियों द्वारा दूसरे देश में किए गए निवेश की सुरक्षा करता है।
- ✓ भारत ने 2015 में नए मॉडल BIT पाठ को मंजूरी दी, जिसने 1993 के भारतीय मॉडल BIT की जगह ले ली। तब से, नए मॉडल का उपयोग BIT और अन्य व्यापार समझौतों में निवेश अध्यायों की बातचीत के लिए किया जा रहा है।

मॉडल BIT (2015) की मुख्य विशेषताएं:

- **राष्ट्रीय व्यवहार:** यह प्रावधान घरेलू और विदेशी निवेशकों को समान स्तर का व्यवहार प्रदान करता है।
- **अधिग्रहण से संरक्षण:** यह प्रावधान एक देश की विदेशी निवेश को अधीन करने की क्षमता को सीमित करता है।
- **विवादों का निपटारा:** यह प्रावधान अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता शुरू करने से पहले स्थानीय उपायों का उपयोग करने की सलाह देता है।
- **अन्य प्रावधान:** निवेश की उद्यम आधारित परिभाषा को स्पष्ट किया गया है, जिससे निवेशक बेहतर समझ प्राप्त कर सकते हैं।

भारत-उज्बेकिस्तान संबंध:

उज्बेकिस्तान, मध्य एशियाई क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, और दोनों देशों के संबंधों में विभिन्न आयाम शामिल हैं:

- ✓ **आर्थिक संबंध:** भारत उज्बेकिस्तान के शीर्ष 10 व्यापार साझेदारों में शामिल है।
- ✓ **सुरक्षा और रक्षा सहयोग:** दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है, जिसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास "डस्टलिक" प्रमुख उदाहरण है।
- ✓ **बहुपक्षीय सहभागिता:** भारत और उज्बेकिस्तान संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स, और एससीओ जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर साथ मिलकर काम करते हैं।
- ✓ **ऊर्जा सुरक्षा:** उज्बेकिस्तान से यूरेनियम अयस्क सांद्रण की आपूर्ति के लिए दोनों देशों के बीच समझौते किए गए हैं।
- ✓ **लोगों के बीच संबंध:** उज्बेकिस्तान में लगभग 14,000 भारतीय नागरिक निवास करते हैं, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाते हैं।

इस BIT से भारत और उज्बेकिस्तान के बीच व्यापारिक और आर्थिक सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के निवेशक लाभान्वित होंगे।



Ministry of Investment,
Industry and Trade
of the Republic of Uzbekistan



SIGNING CEREMONY



उज्बेकिस्तान: एक परिचय

उज्बेकिस्तान मध्य एशिया में स्थित एक लैंडलॉक (स्थलरुद्ध) देश है, जो अपनी समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर और प्राचीन सिल्क रूट (रेशम मार्ग) के केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह देश प्राचीन समय से ही व्यापार, विज्ञान, और संस्कृति का केंद्र रहा है।

- ✓ **राजधानी:** ताशकंद
- ✓ **क्षेत्रफल:** 448,978 वर्ग किमी
- ✓ **सीमा:** उज्बेकिस्तान की सीमाएँ पाँच देशों के साथ लगती हैं—कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, अफगानिस्तान, और तुर्कमेनिस्तान।
- ✓ उज्बेकिस्तान 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद स्वतंत्र राष्ट्र बना।
- ✓ **सरकार का प्रकार:** गणराज्य
- ✓ **राष्ट्रपति:** उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख होते हैं और उनके पास अत्यधिक कार्यकारी शक्तियाँ होती हैं।
- ✓ **प्रधानमंत्री:** प्रधानमंत्री सरकार के कार्यों का प्रबंधन करते हैं।
- ✓ **कृषि:** कपास और फल प्रमुख कृषि उत्पाद हैं।
- ✓ **खनिज संपदा:** सोना, तांबा, और यूरेनियम का भी यहाँ उत्पादन होता है।
- ✓ **भाषा:** उज्बेक यहाँ की आधिकारिक भाषा है।
- ✓ **धर्म:** उज्बेकिस्तान में अधिकांश जनसंख्या इस्लाम का पालन करती है, और यहाँ इस्लामी संस्कृति का गहरा प्रभाव है।



आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM), जो 27 सितंबर 2021 को लॉन्च किया गया था, भारत के डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाना है। यह मिशन डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) का उपयोग करके स्वास्थ्य सेवा में अंतर-परिचालन (इंटरऑपरेबिलिटी) को सक्षम बनाता है, जिससे देश में एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होता है।

ABDM का इतिहास और उद्देश्य:

ABDM की जड़ें राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (2017) से जुड़ी हुई हैं, जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक व्यापक पहुंच का लक्ष्य था। इसके बाद नेशनल हेल्थ स्टैक (2018) और नेशनल डिजिटल हेल्थ ब्लूप्रिंट (2019) ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आधारभूत संरचना तैयार की, जिसमें विशिष्ट स्वास्थ्य पहचानकर्ता और सत्यापित रजिस्ट्रियां शामिल थीं।

ABDM की प्रमुख विशेषताएँ:

- ❑ **विशिष्ट स्वास्थ्य पहचानकर्ता (एबीएचआईडी):** यह आईडी प्रत्येक नागरिक के लिए होती है, जो उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित और संरक्षित तरीके से संग्रहीत करती है।
- ❑ **स्वास्थ्य सेवा व्यवसायी रजिस्ट्री (एचपीआर):** इसमें विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाले सभी व्यवसायियों का डेटा होता है, जो उन्हें डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ता है।
- ❑ **स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री (एचएफआर):** इसमें देश भर की सभी स्वास्थ्य सुविधाओं (सरकारी और निजी) का डेटा होता है, जिसमें अस्पताल, क्लिनिक, लैब, फार्मसी आदि शामिल हैं।
- ❑ **स्वास्थ्य सूचना विनिमय और सहमति प्रबंधक (एचआईडी-सीएम):** यह नागरिकों को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच और साझा करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे डेटा गोपनीयता सुरक्षित रहती है।
- ❑ **एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस (यूएचआई):** यह स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और उनके प्रदायगी को सुगम बनाता है।
- ❑ **राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज (एचसीएक्स):** यह बीमा से जुड़े दावों की प्रक्रिया को सरल बनाता है और भुगतान प्रणाली को मानकीकृत करता है।

डेटा सुरक्षा और गोपनीयता:

ABDM के तहत स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की सुरक्षा को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुसार संरक्षित किया जाता है। यह मिशन डेटा गोपनीयता और इंटरऑपरेबिलिटी पर जोर देता है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदायगी में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित हो सके।

डिजिटल स्वास्थ्य का भविष्य:

ABDM की योजना एक ऐसे डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम की है जहां प्रत्येक नागरिक के पास अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक सुरक्षित और तत्काल पहुंच हो। रजिस्ट्रियों की त्रिमूर्ति (एबीएचआईडी, एचपीआर और एचएफआर) और गेटवे की त्रिमूर्ति (एचआईडीसीएम, यूएचआई और एनएचसीएक्स) जैसे महत्वपूर्ण घटकों के माध्यम से ABDM ने स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल बदलाव की दिशा में ठोस आधार तैयार किया है।

ABDM की प्रमुख पहलें

- ✓ **स्कैन और शेयर सेवा:** यह एक क्यूआर-कोड आधारित ओपीडी पंजीकरण सेवा है, जिससे अस्पतालों में रोगियों की पंजीकरण प्रक्रिया तेज और सटीक हो जाती है।
- ✓ **डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (डीएचआईएस):** यह योजना निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिभागियों को ABDM इकोसिस्टम को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- ✓ **माइक्रोसाइट पहल:** इस पहल का उद्देश्य निजी क्षेत्र को ABDM अपनाने में आने वाली चुनौतियों से निपटना है।
- ✓ **एंड टू एंड ABDM अपनाने का परीक्षण:** यह देशभर की स्वास्थ्य सुविधाओं को डिजिटल रूप में बदलने का एक प्रयास है, जिससे उन्हें मॉडल ABDM सुविधाओं में बदलने का लक्ष्य है।

ABDM की उपलब्धियाँ:

- अब तक 67 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचआईडी) बनाए गए हैं।
- 42 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड एबीएचआईडी से जोड़े गए हैं।
- 236 से अधिक निजी संस्थाएं और 1.3 लाख से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं ABDM से जुड़ी हैं, जिनमें 17,000 से अधिक निजी सुविधाएं शामिल हैं।
- ABDM के तहत 3.3 लाख स्वास्थ्य सुविधाएं और 4.7 लाख स्वास्थ्य सेवा पेशेवर पंजीकृत हो चुके हैं।
- इसके साथ ही राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएएमसी) और राष्ट्रीय दंत चिकित्सा रजिस्टर (एनडीआर) जैसे पोर्टल भी विकसित किए गए हैं, जो स्वास्थ्य पेशेवरों और सुविधाओं की जानकारी का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान करते हैं।

भारत ने स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

भारत ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में आयोजित जी-20 संयुक्त वित्त-स्वास्थ्य कार्यबल की उच्च स्तरीय बैठक के दौरान स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों (Social Determinants of Health, SDH) को प्राथमिकता देते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक ऐसे गैर-चिकित्सीय कारक होते हैं, जो स्वास्थ्य के परिणामों को प्रभावित करते हैं। ये कारक उन परिस्थितियों से संबंधित होते हैं, जिनमें लोग जन्म लेते हैं, बड़े होते हैं, काम करते हैं और रहते हैं।

स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक (एसडीएच) क्या हैं?

स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक (SDH) वे परिस्थितियाँ हैं, जो स्वास्थ्य परिणामों पर प्रभाव डालती हैं, जैसे:

- ✓ **शिक्षा:** उच्च शिक्षा स्तर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।
- ✓ **आय और सामाजिक सुरक्षा:** बेहतर आय और सुरक्षा से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार होता है।
- ✓ **स्वाद्य असुरक्षा:** पौष्टिक भोजन की कमी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।
- ✓ **आवास और कार्य स्थितियां:** सुरक्षित आवास और अच्छी कार्य स्थितियां स्वस्थ जीवन को प्रोत्साहित करती हैं।
- ✓ **बेरोजगारी:** नौकरी की असुरक्षा और बेरोजगारी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और SDH:

WHO ने SDH पर काम करते हुए 2040 तक तीन मुख्य लक्ष्य निर्धारित किए हैं:

- 🌟 **जीवन प्रत्याशा में असमानता को आधा करना।**
- 🌟 **वयस्क मृत्यु दर को आधा करना।**
- 🌟 **शिशु और मातृ मृत्यु दर में 90-95% तक कमी लाना।**

भारत का दृष्टिकोण और प्रयास:

भारत ने एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए "सम्पूर्ण सरकार और एक स्वास्थ्य" नीति पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय कारकों के बीच संतुलन स्थापित करना है। इसके तहत भारत ने निम्नलिखित कार्यक्रमों की शुरुआत की है:

- ✓ **आयुष्मान भारत:** यह सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए सबसे बड़ा सरकारी स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम है।
- ✓ **स्वच्छ भारत मिशन:** इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता और स्वच्छता सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है।
- ✓ **जल जीवन मिशन:** इस योजना के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ✓ **प्रधानमंत्री आवास योजना:** इसका उद्देश्य सभी को किरायेती आवास प्रदान करना है।

भारत ने स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए G-20 देशों से डेटा संग्रह और विश्लेषण पर एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया है। साथ ही, भारत स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने और स्वास्थ्य इक्विटी को बढ़ावा देने के लिए "स्वास्थ्य के लिए ऋण अदला-बदली" जैसी संभावनाओं की भी तलाश कर रहा है, जिससे आर्थिक तनाव को कम किया जा सके।



संयुक्त राष्ट्र महासभा के बारे में

संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly - UNGA) संयुक्त राष्ट्र (United Nations) का मुख्य परामर्शदाता, नीति निर्माण और प्रतिनिधिकरण अंग है। इसकी स्थापना 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत की गई थी, और यह सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों का एक मंच है। महासभा के निर्णय और सिफारिशें सदस्य देशों के लिए मार्गदर्शक होती हैं, और यह विश्व के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का प्रमुख स्थान है।

महासभा की प्रमुख विशेषताएं:

सदस्यता:

- ✓ महासभा में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व होता है।
- ✓ हर देश के पास महासभा में एक वोट होता है, चाहे उसका आकार, आर्थिक स्थिति या जनसंख्या कोई भी हो।

प्रमुख कार्य:

- ✓ अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से संबंधित विषयों पर चर्चा और सिफारिशें करना।
- ✓ संयुक्त राष्ट्र के बजट का अनुमोदन करना और इसके कार्यक्रमों और एजेंसियों के वित्तीय प्रबंधन का निरीक्षण करना।
- ✓ महासचिव की नियुक्ति और सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के चुनाव में भाग लेना।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और संधियों पर विचार करना।
- ✓ विकासशील देशों के लिए सहायता और विकासशील नीतियों पर कार्य करना।
- ✓ विश्व में मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए पहल करना।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने AVGC के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र को मंजूरी दी

AVGC को वैश्विक हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में मुंबई में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (AVGC-XR) के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (NCoE) की स्थापना को मंजूरी दी है।

- ✓ AVGC (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) क्षेत्र भविष्य में मीडिया और मनोरंजन उद्योग का अहम हिस्सा बनने जा रहा है।
- ✓ फ़िल्में जैसे बाहुबली और आरआरआर ने भारत में ऐतिहासिक और फैंटेसी थीम को प्रस्तुत करने के लिए एक नई दृष्टि दी है, जिससे PS1 और कल्कि जैसी फिल्मों को प्रेरणा मिली।
- ✓ FICCI-EY 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा एनीमे फैन बेस रखता है और आने वाले वर्षों में एनीमे के प्रति वैश्विक रुचि में 60% योगदान देने की संभावना है।

NCoE की पृष्ठभूमि:

- ✦ NCoE को भारत में कंपनियों अधिनियम, 2013 के तहत धारा 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया जाएगा, जिसमें भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (FICCI) और भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) उद्योग निकायों के रूप में भारत सरकार के साथ साझेदारी करेंगे।
- ✦ NCoE की स्थापना की घोषणा केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा 2022-23 के बजट में की गई थी, जिसमें देश में AVGC टास्क फोर्स बनाने का प्रस्ताव रखा गया था।
- ✦ NCoE AVGC का उद्देश्य भारत में भारतीय और वैश्विक मनोरंजन उद्योग के लिए विश्व स्तरीय प्रतिभा का निर्माण करना है।
- ✦ इसे अस्थायी रूप से भारतीय इमर्सिव क्रिएटर्स संस्थान (IIIC) नाम दिया गया है, और यह केंद्र AVGC क्षेत्र में क्रांति लाने और इमर्सिव टेक्नोलॉजी में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।
- ✦ यह केंद्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर बनाया जाएगा।

NCoE (IIIC) का उद्देश्य:

- ✓ भारत का एनीमेशन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी मांग फ़िल्मों, विजुअल इफेक्ट्स (VFX), गेमिंग एनीमेशन और मोबाइल सामग्री में लगातार बढ़ रही है।
- ✓ यह वृद्धि कुशल और उत्साही एनीमेटरों के लिए नए अवसर प्रस्तुत करती है। 25% की वृद्धि दर और 2023 तक ₹46 बिलियन के मूल्यांकन के साथ, भारत में एनीमेशन उद्योग फल-फूल रहा है और यह युवा प्रतिभाओं के लिए एक उज्ज्वल भविष्य प्रदान करता है।
- ✓ तकनीक में तेजी से हो रहे विकास, देशभर में इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, और विश्व के सबसे सस्ते डेटा दरों के साथ, AVGC-XR का वैश्विक उपयोग अत्यधिक तेजी से बढ़ने की संभावना है।
- ✓ इस स्थिति में, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (NCoE) नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे।
- ✓ NCoE (IIIC) के कुछ प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:
 - ✦ भारतीय आईपी (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) का निर्माण
 - ✦ नई पीढ़ी की तकनीकों में सांस्कृतिक धरोहर का लाभ उठाना
 - ✦ उद्योग में बहुगुणक प्रभाव पैदा करना
 - ✦ राज्य और शिक्षा जगत के साथ साझेदारी में एक उद्योग-नेतृत्वित पहल
 - ✦ शिक्षा, स्किलिंग, उद्योग विकास और नवाचार पर समग्र ध्यान
 - ✦ IIIC एक केंद्र और इसके कई केंद्र उप-शाखाओं के रूप में विकास करेंगे
 - ✦ स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित नवाचार और अनुसंधान कोष की स्थापना



NCoE के बारे में मुख्य बातें

RRR, बाहुबली, द लॉयन किंग और अवतार जैसी फ़िल्मों ने एनीमेशन और इमर्सिव टेक्नोलॉजी की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया है। भारत का एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (AVGC) क्षेत्र तीव्र वृद्धि के लिए तैयार है, जिसमें रोजगार और नवाचार के ढेरों अवसर हैं।

- ✓ **इमर्सिव तकनीकें** वास्तविक जीवन जैसी, इंटरएक्टिव अनुभव बनाती हैं, जिसमें वर्चुअल रियलिटी (VR), ऑगमेंटेड रियलिटी (AR), मिक्सड रियलिटी (MR) और 3D मॉडलिंग एवं एनीमेशन शामिल हैं।
- ✓ **NCoE** इमर्सिव तकनीकों में माहिर होने का आपका प्रवेश द्वार है। यह केंद्र अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करेगा, जिससे देश की डिजिटल रचनात्मक अर्थव्यवस्था का भविष्य तैयार होगा।
- ✓ अनुमानित 5,00,000 नौकरियां पैदा करने की दिशा में, NCoE को IITs और IIMs जैसे प्रमुख संस्थानों के आधार पर मॉडल किया गया है। यह केंद्र विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीक और विशेष कौशल प्रदान करेगा।
- ✓ छात्रों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा और वे उद्योग-चालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से नौकरी के लिए तैयार होंगे।
- ✓ NCoE, केंद्र और राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच साझेदारी के माध्यम से नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए व्यापार सुधार कार्य योजना (BRAP) 2024

मेक इन इंडिया पहल को और मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए व्यापार सुधार कार्य योजना (BRAP) 2024 देश भर में एक निर्बाध व्यापार नियामक ढांचा स्थापित करने जा रहा है जिससे व्यापार सुगमता बढ़ेगी।

BRAP 2024 का उद्देश्य भारत में एक निर्बाध व्यापार नियामक ढांचा स्थापित करना है, जिससे व्यापार सुगमता बढ़ेगी। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के नेतृत्व में यह योजना नागरिकों और व्यवसायों दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- ❑ **अनुपालन बोझ में कमी:** BRAP 2024 सरकार की प्रमुख पहलों जैसे अनुपालन बोझ को कम करने और गैर-अनुपालन के लिए दंड को घटाने के प्रति प्रतिबद्ध है।
- ❑ **विश्व बैंक के 'बी-रेडी' कार्यक्रम के अनुरूप:** यह योजना वैश्विक मानकों के अनुसार विनियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।
- ❑ **नवीन मूल्यांकन प्रणाली:** BRAP 2024 में साक्ष्य और प्रतिक्रिया-आधारित मूल्यांकन प्रणाली को पेश किया गया है, जो अधिक व्यापक और गतिशील दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है।
- ❑ **समय और दस्तावेज अध्ययन (टीडीएस):** सूचना संचार प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रक्रिया पुनर्रचना के माध्यम से तेजी से और अधिक कुशल सरकारी सेवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।
- ❑ **क्षेत्रों का विस्तार:** BRAP ने श्रम, पर्यावरण, कर, भूमि प्रशासन, उपयोगिता परमिट, निरीक्षण और निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी अपने दायरे में शामिल किया है।
- ❑ **प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना:** BRAP 2024 भारत को एक वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और डिजिटल समाधानों के कार्यान्वयन को निरंतरता प्रदान करता है।

उद्देश्य:

- ❖ भारत के व्यापार परिदृश्य में निवेशकों के विश्वास को बढ़ावा देना।
- ❖ एक पारदर्शी, कुशल और गतिशील नियामक वातावरण का निर्माण करना।
- ❖ नागरिकों और व्यवसायों के लिए सेवा वितरण को सरल बनाना।

परिणाम:

- ❖ 2014-2015 में शुरुआत के बाद से, BRAP ने प्रतिस्पर्धी संघवाद की भावना को साकार करते हुए भारत के व्यापार परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए हैं।
- ❖ इसके छह सफल संस्करणों ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन किया है, जिससे व्यवसाय के अनुकूल माहौल बनाया जा सके।
- ❖ इस पहल का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप एक ऐसा इको-सिस्टम बनाना है, जहां व्यवसाय फल-फूल सकें और नागरिक एक अधिक कुशल एवं उत्तरदायी शासन प्रणाली का अनुभव कर सकें।



उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT)

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी। इसके बाद, वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग को इसमें समाहित कर दिया गया।

संरचना: यह विभाग भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

DPIIT के मुख्य कार्य:

- ❑ **औद्योगिक विकास:** विभाग औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए प्रोत्साहन और विकासवात्मक उपायों का निर्माण और कार्यान्वयन करता है।
- ❑ **राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ:** यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण करता है।
- ❑ **आंतरिक व्यापार:** आंतरिक व्यापार के क्षेत्र में सुधार और विकास के लिए नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करना।
- ❑ **निवेश आकर्षण:** घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए उपायों का कार्यान्वयन।

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र में **बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए)** को राष्ट्र को समर्पित किया। यह औद्योगिक क्षेत्र **7,855 एकड़** में फैला हुआ है और इसे **दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे** के एक भाग के रूप में **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी)** के अंतर्गत विकसित किया गया है। यह परियोजना महाराष्ट्र के **छत्रपति संभाजी नगर से 20 किमी दक्षिण** में स्थित है और मराठवाड़ा क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देने की अपार संभावनाएं रखती है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं:



✓ स्थान और कनेक्टिविटी:

- बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र **एनएच-752ई** के निकट स्थित है और **नागपुर को मुंबई** से जोड़ने वाले **समृद्धि महामार्ग** से केवल 35 किमी दूर है।
- यह **औरंगाबाद रेलवे स्टेशन (20 किमी)**, **औरंगाबाद हवाई अड्डा (30 किमी)**, और **जालना ड्राई पोर्ट (65 किमी) के करीब** है, जिससे इसे पीएम गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुरूप निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी प्राप्त है।

✓ चरणबद्ध विकास:

- भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए **6,414 करोड़ रुपये** की लागत मंजूर की है, जिसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा।
- पहले चरण में **2,511 एकड़ क्षेत्र** कवर किया जाएगा, जिसमें **2,427 करोड़ रुपये** का निवेश किया जाएगा।

- ✓ **आधारभूत संरचना:** बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में चौड़ी सड़कों, गुणवत्तापूर्ण पानी और बिजली आपूर्ति, तथा उन्नत सीवेज और सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्रों जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

प्रमुख निवेश और आर्थिक प्रभाव:

- बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र ने पहले ही **एथर एनर्जी (100 एकड़)**, **लुब्रीजोल (120 एकड़)**, **टोयोटा-किलोस्कर (850 एकड़ के लिए एमओयू)** और **जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी (500 एकड़)** जैसी कंपनियों से महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित किया है।
- इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर **56,200 करोड़ रुपये** का निवेश होगा, जिससे **30,000 से अधिक रोजगार सृजित** होने की संभावना है।
- निर्माण के बाद केवल **तीन वर्षों** में औद्योगिक और मिश्रित उपयोग क्षेत्रों में कुल **1,822 एकड़ (38 भूखंड) आवंटित** किए गए हैं।

औद्योगिक उत्कृष्टता की ओर एक कदम:

- प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि **बिडकिन औद्योगिक** क्षेत्र रोजगार सृजन करेगा, निर्यात को बढ़ावा देगा, और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देगा। यह परियोजना सरकार के **“मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड”** के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो क्षेत्र में औद्योगिक विकास, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास को बढ़ावा देती है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (NICDP) भारत का सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा कार्यक्रम है। इसका मुख्य उद्देश्य नए औद्योगिक शहरों को **“स्मार्ट सिटी”** के रूप में विकसित करना और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना है।

लाभ:

NICDP से रोजगार के अवसर और आर्थिक विकास होगा, जिससे **समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास** में वृद्धि होगी। यह कार्यक्रम भारत को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विनिर्माण और निवेश स्थलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगा।

प्रमुख औद्योगिक गलियारे:

- दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (DMIC)**
- अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (AKIC)**
- चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारा (CBIC)**
- बेंगलुरु-मुंबई औद्योगिक गलियारा (BMIC)**
- पूर्वी तट आर्थिक गलियारा (ECEC)** : इस गलियारे के लिए कोलकाता-चेन्नई रेल मार्ग को परिवहन की रीढ़ माना गया है, जो पूर्वी तट पर औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करेगा।

अविष्य की योजनाएँ:

- प्रस्तावित **उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम** समर्पित माल ढुलाई गलियारे संबंधित औद्योगिक गलियारों के लिए मौजूदा परिवहन ढांचे को और अधिक मजबूत करेंगे।
- यह सभी गलियारे भारत के औद्योगिक विकास की बुनियाद को और अधिक **सुदृढ़** करने के लिए सहायक होंगे, जिससे समग्र आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर

GST परिषद ने हाल ही में एक **10 सदस्यीय मंत्री समूह** का गठन किया है, जिसका कार्यक्षेत्र मार्च 2026 में **क्षतिपूर्ति उपकर** समाप्त होने के बाद **विलासिता, पाप और अवगुण वस्तुओं** पर कराधान के बारे में निर्णय लेना है।

GST क्षतिपूर्ति उपकर: यह उपकर वस्तु एवं सेवा कर (राज्य को प्रतिपूर्ति) अधिनियम, 2017 की धारा 8 के अंतर्गत लगाया जाता है।

GST उपकर की आवश्यकता:

- ✓ GST एक **उपभोग-आधारित** कर है, इसलिए जिस राज्य में वस्तुओं की **खपत और आपूर्ति** होती है, वह अप्रत्यक्ष कर **राजस्व** के लिए पात्र होता है।
- ✓ GST लागू होने के बाद, कुछ राज्य जो **वस्तुओं और/या सेवाओं के शुद्ध निर्यातक** हैं, उनके अप्रत्यक्ष कर **राजस्व में कमी** आने की संभावना है।
- ✓ राज्यों को कर राजस्व में होने वाली हानि की भरपाई के लिए केन्द्र सरकार द्वारा **GST क्षतिपूर्ति उपकर घोषित** किया गया है।

GST उपकर का उपयोग:

- ✦ GST क्षतिपूर्ति उपकर से प्राप्त समस्त राशि को **GST क्षतिपूर्ति निधि** में जमा किया जाएगा, जो एक गैर-समाप्ति योग्य निधि है।
- ✦ इस धनराशि का उपयोग राज्यों को GST कार्यान्वयन के कारण होने वाली कर **राजस्व हानि की भरपाई** के लिए किया जाएगा।
- ✦ यदि कोई धनराशि अप्रयुक्त रह जाती है, तो संक्रमण काल के अंत में इसे **केन्द्र सरकार और सभी राज्य सरकारों द्वारा आधा-आधा बांटा जाएगा**।
- ✦ राज्य सरकार का हिस्सा संक्रमण काल के अंतिम वर्ष में राज्य कर या संघ राज्य क्षेत्र माल एवं सेवा कर से प्राप्त **कुल राजस्व के अनुपात** में वितरित किया जाएगा।

प्रयोज्यता (Applicability):

- ✦ GST उपकर **केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित वस्तुओं या सेवाओं** की आपूर्ति पर लागू होगा।
- ✦ यह अंतरराज्यीय आपूर्ति और वस्तुओं या सेवाओं की **अंतरराज्यीय आपूर्ति दोनों** पर भी लागू होगा।
- ✦ GST संयोजन योजना के अंतर्गत **पंजीकृत करदाताओं** को छोड़कर, सभी **कर योग्य व्यक्तियों से GST उपकर एकत्रित** करने और जमा करने की अपेक्षा की जाती है।

विशेषताएँ:

- ✦ GST व्यवस्था में **विलासिता, पाप और अवगुण वस्तुओं (जैसे सिगरेट, पान मसाला, गुटखा, शीतल पेय, कार आदि)** पर विभिन्न दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है।
- ✦ 2022 में, **GST परिषद** ने कोविड वर्षों के दौरान राज्यों के राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए **2021 और 2022** वित्तीय वर्षों में लिए गए **2.69 लाख करोड़ रुपये** के ऋण के ब्याज और मूल राशि को चुकाने के लिए **मार्च 2026** तक लेवी बढ़ाने का फैसला किया।

भारत वैश्विक स्तर पर इथेनॉल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश बना

हाल ही में आयोजित **इंडिया शुगर एंड बायो-एनर्जी सम्मेलन** में यह स्पष्ट किया गया कि **भारत वैश्विक स्तर पर इथेनॉल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश** बन गया है।

इथेनॉल के उत्पादन और उपयोग की प्रगति:

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (EBP) कार्यक्रम:

- ✓ इस कार्यक्रम के तहत **इथेनॉल** की बिक्री से चीनी मिलों के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, साथ ही ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आई है।
- ✓ भारत के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने वर्ष 2014 से अब तक **11.80 बिलियन अमेरिकी डॉलर** (लगभग 99,000 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा बचत की है।
- ✓ इथेनॉल मिश्रण के कारण भारत ने **17.3 मिलियन मीट्रिक टन** कच्चे तेल के आयात का विकल्प चुना है।
- ✓ पिछले दशक में, इथेनॉल के उपयोग से **कार्बन उत्सर्जन में 51.9 मिलियन मीट्रिक टन** की कमी आई है।

इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य:

- ✓ सरकार ने इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ESY) 2025-26 तक **20% इथेनॉल मिश्रण** का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- ✓ बाजार में **E20 पेट्रोल** (जिसमें 20% इथेनॉल होता है) और **E100 ईंधन** (जिसमें 93-93.5% इथेनॉल होता है) पेश किए गए हैं।

सरकारी सहायता:

- ✦ सरकार ने 2014 से अब तक डिस्टिलर्स को **1.45 ट्रिलियन रुपये** और किसानों को **87,558 करोड़ रुपये** का भुगतान किया है।

इथेनॉल उत्पादन की प्रक्रिया:

- ✦ इथेनॉल, जिसे **एथिल अल्कोहल (C2H5OH)** भी कहा जाता है, का उत्पादन गन्ना, मक्का और गेहूं से किया जाता है।
- ✦ यह गैसोलीन के साथ मिश्रित किया जा सकता है, जिससे दहन दक्षता बढ़ती है और उत्सर्जन में कमी आती है।
- ✦ चूंकि इथेनॉल का उत्पादन सौर ऊर्जा का उपयोग करके किया जाता है, इसे एक नवीकरणीय ईंधन माना जाता है।

किसान-केंद्रित नीतियाँ:

- ✦ पिछले **10 वर्षों** में गन्ने की खेती का क्षेत्रफल लगभग **18%** बढ़ा है, जबकि गन्ना उत्पादन में **40%** की वृद्धि हुई है।
- ✦ चीनी के लिए न्यूनतम विक्रय मूल्य लागू होने से किसानों को **1.14 लाख करोड़ रुपये** में से लगभग **99%** गन्ना बकाया समाप्त करने में मदद मिली है।

भारत और ब्राज़ील का सहयोग:

- ✦ **भारत और ब्राज़ील**, जहां गन्ने का **सबसे बड़ा उत्पादन** होता है, के बीच जैव ईंधन उत्पादन में सहयोग की संभावना है।
- ✦ दोनों देशों के बीच **इथेनॉल और बायोडीजल** के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास पर सहयोग किया जा सकता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता बढ़ेगी।

थर्मोबैरिक हथियार

यूक्रेन में रूस द्वारा थर्मोबैरिक हथियारों के उपयोग ने इन शक्तिशाली बमों के विनाशकारी प्रभावों के कारण वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। हालाँकि, इन हथियारों का विकास और तैनाती केवल रूस तक ही सीमित नहीं है।

थर्मोबैरिक हथियारों की विशेषताएँ:

- ✓ **अन्य नाम:** इन्हें अक्सर "वैक्यूम बम" या "उन्नत विस्फोट हथियार" के रूप में जाना जाता है।
- ✓ **कार्यप्रणाली:**
 - ✦ इन हथियारों में एक **ईंधन कंटेनर** होता है, जिसमें दो अलग-अलग विस्फोटक चार्ज होते हैं।
 - ✦ इन्हें रॉकेट के रूप में प्रक्षेप किया जा सकता है या **विमान से बम** के रूप में गिराया जा सकता है।
 - ✦ जब यह अपने लक्ष्य से टकराता है, तो पहला **विस्फोटक चार्ज** कंटेनर को खोलता है और **ईंधन मिश्रण** को बादल के रूप में फैलाता है।
 - ✦ यह बादल किसी भी इमारत के **खुले भाग या सुरक्षा घेरे** में प्रवेश कर सकता है जो पूरी तरह से बंद नहीं है।
 - ✦ दूसरा चार्ज इस बादल को विस्फोटित करता है, जिससे एक विशाल **आग का गोला**, विस्फोट की एक **विशाल तटंग**, और एक **वैक्यूम** बनता है, जो आसपास के सभी ऑक्सीजन को सोख लेता है।

प्रभाव:

- ✓ **विनाशकारी क्षति:**
 - ✦ थर्मोबैरिक बमों द्वारा उत्पन्न **शॉकवेव मजबूत इमारतों** और उपकरणों को नष्ट कर सकती है।
 - ✦ विस्फोट के दबाव के अंतर से मानव शरीर को गंभीर क्षति हो सकती है, जिसमें **अंगों और फेफड़ों का फटना** शामिल है।
- ✓ **सामाजिक प्रभाव:** इन हथियारों का प्रयोग **सिविलियनों** पर भी भयंकर प्रभाव डाल सकता है, खासकर जब इन्हें **आवासीय क्षेत्रों, स्कूलों, या अस्पतालों** के निकट उपयोग किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय कानून और नियम:

- ✦ थर्मोबैरिक हथियारों के उपयोग पर विशेष रूप से **प्रतिबंध** लगाने वाला कोई अंतर्राष्ट्रीय कानून नहीं है।
- ✦ हालाँकि, यदि कोई देश इनका उपयोग नागरिक आबादी को लक्षित करने के लिए करता है, तो उसे **हेग सम्मेलनों (1899 और 1907)** के तहत युद्ध अपराध का दोषी ठहराया जा सकता है।



मारबर्ग वायरस रोग

हाल ही में **रवांडा** के **स्वास्थ्य मंत्रालय** ने पुष्टि की है कि **मारबर्ग वायरस** के प्रकोप के कारण **छह लोगों की मौत** हुई है। वर्तमान में लगभग **20 रोगियों** का इलाज चल रहा है, जिनमें से अधिकांश स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं।



मारबर्ग वायरस रोग क्या है?

- ✓ मारबर्ग वायरस रोग एक **अत्यधिक संक्रामक रक्तसावी बुखार** है, जो **इबोला** जैसा है।
- ✓ यह वायरस **रक्तसाव और अंग विफलता** का कारण बनता है, और इसकी **उच्च मृत्यु दर** के लिए जाना जाता है।
- ✓ यह **फिलोवायरस परिवार** से संबंधित है, जिसमें **इबोला** भी शामिल है, और इसने अफ्रीका में कई **घातक प्रकोप** उत्पन्न किए हैं।
- ✓ पड़ोसी **तंजानिया में 2023** में मामले सामने आए, जबकि **युगांडा** में इसका अंतिम **प्रकोप 2017** में देखा गया था। तीनों पूर्वी **अफ्रीकी देश** सीमाएं साझा करते हैं, जिससे सीमा पार संक्रमण की चिंताएँ बढ़ गई हैं।

फैलने का तरीका:

- ✦ इस **विषाणु** का संदिग्ध प्राकृतिक वाहक **अफ्रीकी चमगादड़** माना जाता है, जो बिना **बीमार पड़े रोगाणु** को अपने साथ ले जाता है।
- ✦ **वायरस चमगादड़ों** से मनुष्यों और अन्य प्राइमेट्स में फैल सकता है, और संक्रमित व्यक्तियों के रक्त या अन्य **शारीरिक तरल पदार्थों** के सीधे संपर्क के माध्यम से प्रसारित होता है।
- ✦ इसका नाम जर्मन **शहर मारबर्ग** से लिया गया है, जहाँ **1967** में पहली बार इसकी पहचान हुई थी।

मृत्यु दर: औसत एमवीडी केस मृत्यु दर **लगभग 50%** है। पिछले प्रकोपों में केस मृत्यु दर वायरस के प्रकार और केस प्रबंधन के आधार पर **24% से 88%** तक भिन्न रही है।

टीका या एंटीवायरल उपचार:

- ✦ वर्तमान में मारबर्ग वायरस रोग के लिए **कोई टीका या एंटीवायरल उपचार** उपलब्ध नहीं है।
- ✦ हालाँकि, **प्रायोगिक उपचारों, रक्त उत्पादों, और प्रारंभिक चरण** के टीकों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा रहा है।

निष्कर्ष: मारबर्ग वायरस का प्रकोप एक **गंभीर चिंता** का विषय है, और इसके प्रसार को रोकने के लिए **त्वरित और प्रभावी कदम उठाने** की आवश्यकता है। संबंधित स्वास्थ्य प्राधिकरण संक्रमित व्यक्तियों और उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान और निगरानी कर रहे हैं, ताकि **स्थिति को नियंत्रण** में रखा जा सके।

यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (CERN)

यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन, जिसे सामान्यतः CERN कहा जाता है, ने हाल ही में अपनी 70वीं वर्षगांठ मनाई। यह संगठन उच्च ऊर्जा कण भौतिकी में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए स्थापित किया गया था।



CERN के बारे में:

- ✓ **स्थापना:** 1954 में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के पहले संयुक्त उद्यम के रूप में।
- ✓ **स्थान:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड के पास।
- ✓ **सदस्यता:** 23 सदस्य राज्य और 10 सहयोगी सदस्य राज्य। भारत CERN का एक सहयोगी सदस्य है।
- ✓ **वैज्ञानिक चरित्र:** CERN की परंपरा है कि इसका कार्य सैन्य आवश्यकताओं से मुक्त रहेगा।

मुख्य सफलताएँ:

- ✦ **जेड बोसोन और डब्ल्यू बोसोन की खोज:** ये कमजोर बल को समझने में महत्वपूर्ण हैं।
- ✦ **वर्ल्ड वाइड वेब:** इसका आविष्कार 1989 में ब्रिटिश वैज्ञानिक टिम बर्नर्स-ली द्वारा CERN में किया गया।
- ✦ **एंटी-मैटर का अध्ययन:** एंटीप्रोटोन डिसेलेरेटर की सहायता से ब्रह्मांड की उत्पत्ति के अध्ययन में सहायता मिलती है।
- ✦ **हिग्स बोसोन कण:** जिसे "गॉड पार्टिकल" के नाम से भी जाना जाता है, की खोज CERN के लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) में की गई। हिग्स बोसोन हिग्स क्षेत्र से जुड़ा मूलभूत कण है, जो इलेक्ट्रॉनों जैसे अन्य कणों को द्रव्यमान प्रदान करता है।
- ✦ **LHC:** CERN का LHC दुनिया का सबसे बड़ा कण त्वरक है, जो प्रकाश की गति के करीब ऊर्जा पर प्रोटॉन या लेड आयनों को टकराता है।

भारत का योगदान:

- ✓ **संस्थान:** भारतीय भौतिक विज्ञानी टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) जैसे संस्थानों के माध्यम से CERN के प्रयोगों में शामिल हैं, जैसे कि EL3 प्रयोग और LHC।
- ✓ **नवीन त्वरक प्रौद्योगिकी (NAT):** परमाणु ऊर्जा विभाग ने CERN के साथ सहयोग किया है।
- ✓ **डब्ल्यूएलसीजी:** भारत विश्वव्यापी एलएचसी कंप्यूटिंग ग्रिड (WLCG) के लिए दो टियर-2 केंद्र संचालित करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और पर्यावरणीय स्थिरता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हाल के समय में, विशेषज्ञों ने विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में AI के उपयोग के संभावित लाभों और नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला है।



AI क्या है?

AI यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीक है जिसके ज़रिए मशीनों को मानव जैसी बुद्धिमानी देने की कोशिश की जाती है। ये मशीनें सीख सकती हैं, निर्णय ले सकती हैं, समस्याओं का समाधान कर सकती हैं और यहां तक कि रचनात्मक काम भी कर सकती हैं।

AI का पर्यावरणीय चुनौतियों में उपयोग:

- ✓ **पूर्वानुमान:** AI डेटा में पैटर्न का विश्लेषण कर विसंगतियों का पता लगा सकता है और भविष्य के पर्यावरणीय परिणामों का सटीक पूर्वानुमान कर सकता है।
- ✓ **निगरानी:** AI का उपयोग वायु प्रदूषण, वनों की कटाई, समुद्री प्लास्टिक, और हिमखंडों में हो रहे परिवर्तनों की निगरानी के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, AI को हिमखंडों में बदलाव मापने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, जो मानव की तुलना में 10,000 गुना तेजी से कर सकता है।
- ✓ **डीकार्बोनाइजेशन:** AI कंपनियों को उनके कार्बन उत्सर्जन को ट्रैक करने, ट्रेस करने, और इसे 20-30% तक कम करने में मदद कर सकता है। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पर्यावरण पर AI के नकारात्मक प्रभाव:

- ✓ **ऊर्जा की उच्च खपत:** AI आधारित वर्चुअल असिस्टेंट जैसे चैटजीपीटी, Google सर्च की तुलना में 10 गुना अधिक बिजली की खपत करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन बढ़ सकता है।
- ✓ **ई-कचरा:** AI को होस्ट करने वाले डेटा केंद्र भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पन्न करते हैं, जिसमें पारा और सीसा जैसे खतरनाक तत्व शामिल होते हैं।
- ✓ **संसाधनों का अत्यधिक उपयोग:** AI आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ी मात्रा में पानी का उपभोग करता है, और इसके लिए दुर्लभ खनिजों का उपयोग किया जाता है, जिनका खनन पर्यावरणीय दृष्टि से अस्थिर तरीकों से किया जाता है।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!





APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH



Pathshala
एक सच सफलता की शुरुआत है

Subject

HISTORY ,POLITY

GEOGRAPHY

ECONOMICS

Price

1499/-

Validity
1 Year



By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

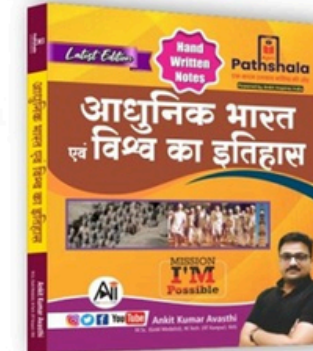
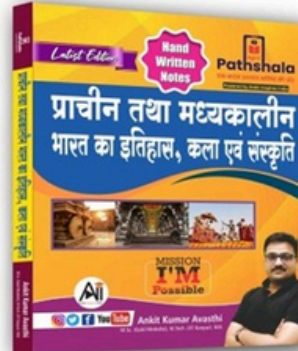
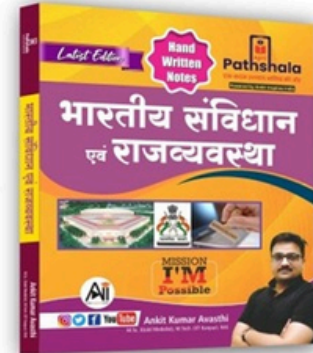
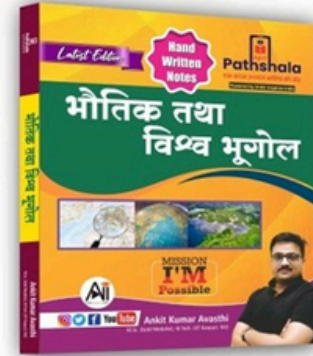
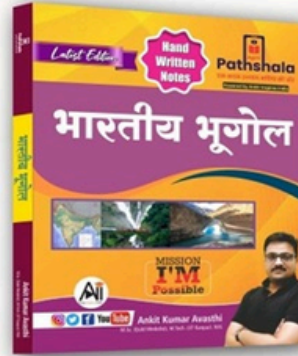
Hand Written
Notes


Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**

RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now

